

## दिल्ली की वायु प्रदूषण समस्या क्यों हल नहीं होती?

### संदर्भ

देश की राजधानी दिल्ली को फरि से दुनिया में सबसे प्रदूषित मेगा सटी के रूप में स्थान दिया गया है। पछिले साल दिल्ली के मुख्यमंत्री ने शहर की तुलना "गैस चैंबर" से की थी, जबकि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने सार्वजनिक चेतावनी जारी की और कहा कि दिल्ली "मेडिकल हेल्थ इमरजेंसी" की स्थिति में है। पछिले दिनों यूनाइटेड एयरलाइंस ने दिल्ली के लिये उड़ानों को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता वषिकृत हो गई है जो "प्राकृतिक आपदा" के समान है।

### महत्त्वपूर्ण बदि

- दिल्ली में 2.2 मिलियन से ज़्यादा स्कूली बच्चों को फेफड़ों की कषता का खतरा है।
- हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने दक्षिण दिल्ली में आगजनी की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए कहा कि वायु प्रदूषण, खतरनाक प्रदूषकों और भीड़-भाड़ के कारण मानव जीवन को खतरे में डाल रहा है।
- अतीत में सरकारी नषिकरयिता को समझते हुए दिल्ली के लोगों ने इसका वरीध कयिा था और साँस लेने के अधिकार की मांग की थी।
- यह सब इस बात को इंगति करता है कि किसि हद तक वायु प्रदूषण ने शहर में सार्वजनिक जीवन को पंगु बना दिया है, बावजूद इसके दिल्ली में वायु गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर बनी हुई है।

### प्रदूषण नयित्रण के लयि उठाए गए हालयिा कदम

- अन्य राज्यों की तुलना में दिल्ली महत्त्वपूर्ण लाभ की स्थिति में है क्योंकि इसकी प्रतवियकृत आय देश के दूसरे राज्यों से अधिक है।
- 22 मार्च को दिल्ली सरकार ने अगले वतित वर्ष के लयि 8.2 अरब डॉलर के वार्षिक बजट की घोषणा की।
- इसे देश के पहले "गरीन बजट" के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि यह प्रदूषण नयित्रण के कई उपायों पर केंद्रति है और "वैज्ञानिक रूप से" प्रदूषण से लड़ने का वादा करता है।
- दिल्ली सरकार ने वशिव बैंक, वाशगिटन वशिववदियालय, मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी तथा C-40 सटीज क्लाइमेट लीडरशपि ग्रुप के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग सहति 26 वशिषिट ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा नीति की घोषणा की थी।
- इन भागीदारयिों का उद्देश्य शहर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लयि ज़मिमेदार संस्थानों की कषमता को बढ़ावा देना है।
- हालाँकि बजट संभावनाओं से परपूरण है, फरि भी यह स्पष्ट नहीं है कि बजट के लक्ष्यों को कैसे पूरा कयिा जाएगा।

### दिल्ली की वायु गुणवत्ता में तत्काल सुधार की संभावना नहीं होने के कारण

1. किसी भी प्रकार के प्रदूषण के वरिद्ध सफलता के लयि एक कुशल शासनतंत्र केंद्र सरकार में नहिति है। दिल्ली में वायु प्रदूषण का प्रबंधन एक स्वायत्त सरकारी नकिय, पर्यावरण प्रदूषण नयित्रण प्राधिकरण (Environmental Pollution Control Authority-EPCA) द्वारा कयिा जाता है।

- प्राधिकरण ने एक ऐसी योजना शुरु की है जो वायु प्रदूषण की गंभीरता के अनुरूप जनता की प्रतकिरयिाओं को आमंत्रति करती है।
- उदाहरण के लयि, जब वायु की गुणवत्ता "गंभीर" स्तर (PM 2.5 > 250 g / m3) पर होती है तो उस स्थिति में EPCA दिल्ली प्रदूषण नयित्रण समति (DPCC) को सभी नरिमाण गतविधियिों तथा डीज़ल जेनरेटर के उपयोग को रोकने, सभी ईट भटठों तथा वदियुत संयंत्रों को बंद करने के लयि नरिदेशति करने की आवश्यकता होती है।
- इस योजना के कार्यान्वयन में वर्तमान में कम-से-कम 16 वभिनिन एजेंसयिों शामिल हैं। इनमें से कुछ केंद्र सरकार के नयित्रण में हैं, कुछ दिल्ली सरकार के अधीन हैं और कुछ पड़ोसी राज्यों के प्रशासनिक नयित्रण में हैं।
- इन एजेंसयिों को घोर राजनीतिक प्रतदिदंदयिों द्वारा शासति कयिा जाता है और उनके बीच समन्वय को बढ़ावा देने के लयि कोई प्रत्यक्ष पर्यास नहीं कयिा जाता।
- एजेंसयिों एक सतत् सार्वजनिक दोषारोपण के खेल में शामिल हो जाती हैं जिसमें वभिनिन राजनीतिक गुट स्वयं को अच्छा दिखाने की कोशशि करते हैं। नतीजतन, नीतगित उपायों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कयिा जाता है।

2. दिल्ली का वायु प्रदूषण एक कषेत्रीय समस्या है। भारत के नागपुर में स्थति इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एप्लाइड ससिटम्स एनालसिस (IIASA) और नेशनल एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग रसिर्च इंस्टीट्यूट (NEERI) द्वारा कयिा गए एक अध्ययन से पता चलता है कि दिल्ली में PM 2.5 की समस्या पड़ोसी राज्यों के कारण है।

- कषेत्रीय वचिारण को ध्यान में रखे बना प्रदूषण नरिंतरण की कसिी भी नीतल के सफल होने की उम्मीद नहीं की जा सकती ।
- इसलरि दल्लिी के प्रदूषण को कषेत्रीय प्रदूषण समस्यल के रूप में माना जानल चाहरि और इसके समाधान के लरि अंतर-एजेंसी के प्रर्यासों को केंद्रीय स्रोत दवरल नरिंतररि और समनवरि करि जाने की आवश्यकतल है ।

3. दल्लिी को प्रदूषण के उत्सरजन स्रोतों को तललशने करने की ज़रुरत है ।

- पछिले दशक के दौरान प्रदूषण के 15 स्रोतों कल अधर्ययन करि गल जनलमें से 10 प्रत्यकष नमूना पद्धतलपर आधररतल हैं, जबकल पलँच माध्यमकल आँकड़ों पर आधररतल हैं ।
- सभी अधर्ययनों में उत्सरजन के स्रोत समलन पलए गए हैं, दल्लिी के प्रदूषण में वभलनलन स्रोतों कल योगदलन भनलन-भनलन पलरल गल है ।
- यह मौजूदल अधर्ययनों की अवश्लवसनीयतल के चलते सटीक अनुमलन लगलने में कठनलई को रेखलंकतल करतल है जो कल आंशकल रूप से दल्लिी के जटलल मौसम वज्जलन और उत्सरजन के स्रोतों की बदलतल प्रकृतल के करण है।

4. दल्लिी में बुनरिदी ढलँचे की भी कमी है । सार्वजनकल परवलहन के लरि ज़रुरत के हसलब से बसों की संख्यल आधी से भी कम है (यह पछिले आठ वरुषों में सबसे कम सतर है) ।

- इसकल मतलब है कल नलजिी ऑटोमोबलइल के उपयोग से वलरु प्रदूषण की समस्यल बढ़ती जल रही है ।
- DPCC, जसलमें शहर में वलरु प्रदूषण नरिमें के अनुपललन और उनहें लगू करने कल जनलदेश है, गंभीर वलज्जलनकल और तकनीकी श्रमबल की कमी से गरसत है (1990 से लगभग तीन-चौथलई कषमतल पर परचललन) ।
- सार्वजनकल आधरभूत संरचना में यह अंतर खरलब वलरु प्रदूषण की समस्यल को हल करने की शहर की कषमतल में सार्वजनकल वश्लवलस को कमज़ोर करतल है ।
- जब तक इन कमरिों को दूर नहीं करि जलतल, तब तक केवल प्रदूषण दूर करने के वलदों की घोषणल से कुछ नहीं होने वलल ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/why-delhi-air-pollution-problem-never-get-solved>

